



27/4

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

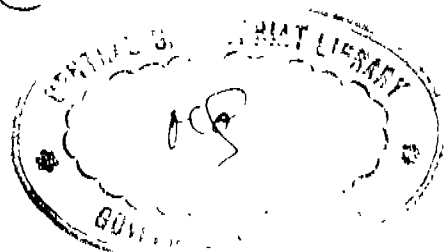
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 231]

नई दिल्ली, बुधस्पर्तिवार, मई 10, 2001/वैशाख 20, 1923

No. 231]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 10, 2001/VAISAKHA 20, 1923

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मई, 2001

सा.का.नि. 337(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 642 की उपधारा (1) के खंड (क) और (ख) के साथ पठित धारा 192क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कंपनी (डाकमत पत्र द्वारा संकल्प का पारित किया जाना) नियम, 2001 है।
- (2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—

इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (क) "अधिनियम" से कंपनी अधिनियम, 1956 अभिप्रेत है,
- (ख) "डाकमत पत्र" के अन्तर्गत कंपनी के किसी साधारण अधिवेशन में कारबार का संव्यवहार करने के लिए वैयक्तिक रूप से उपस्थित होकर मतदान करने की बजाए डाक या इलैक्ट्रानिक पद्धति द्वारा शेयर धारकों द्वारा मतदान करना सम्मिलित है।
- (ग) विशेष संकल्प के संबंध में "अपेक्षित बहुमत" से, कारबार के पक्ष में डाले गए मतों की संख्या विपक्ष में डाले गए मतों की संख्या से तीन गुणा अधिक है, साधारण संकल्प के संबंध में पक्ष में डाले गए मतों की संख्या विपक्ष में डाले गए मतों की संख्या से अधिक है, अभिप्रेत है।

3. लागू होना :—

ये नियम सूचीबद्ध कंपनियों को और ऐसे कारबार के संबंध में जो नियम 4 के अधीन विनिर्दिष्ट है, संकल्पों की दशा में लागू होंगे।

4. ऐसे कारबारों की सूची जिनमें संकल्प डाकमत पत्र के माध्यम से पारित किए जा सकेंगे।

- (क) ज्ञापन के उद्देश्य खंड में परिवर्तन;
- (ख) प्राइवेट कंपनी को परिभाषित करने वाले उपबंधों को हटाने या अन्तःस्थापित करने के संबंध में संगम अनुच्छेदों का परिवर्तन;
- (ग) धारा 77क की उपधारा (1) के अधीन कंपनी द्वारा अपने शेयर को पुनः क्रय करना;
- (घ) धारा 86 के खंड (क) के उपखंड (ii) के अधीन मतदान या लाभांश के बारे में या अन्यथा डिफरेंशियल मतदान अधिकारों सहित शेयर का निर्गम;

- (ड) धारा 146 की उपधारा (2) में यथा विनिर्दिष्ट किसी शहर, कस्बा या ग्राम की स्थानीय सीमाओं के बाहर रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के स्थान में परिवर्तन;
- (च) धारा 293 की उपधारा (1) के उपखंड (क) के अधीन या विनिर्दिष्ट कंपनी के उपक्रम का संपूर्ण या सारतः संपूर्ण विक्रय;
- (छ) धारा 372क की उपधारा (1) के अधीन विहित सीमाओं से अधिक ऋण देना या प्रत्याभूति देना या प्रतिभूति देना;
- (ज) धारा 252 की उपधारा (1) के अधीन निदेशक का निर्वाचन;
- (झ) धारा 391 की उपधारा (2) के अधीन यथा विनिर्दिष्ट लेनदारों और सदस्यों के साथ समझौता या ठहराव करने की शक्ति;
- (ण) धारा 106 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट शेयरों, डिबेंचरों या अन्य प्रतिभूतियों के किसी वर्ग से संबद्ध अधिकारों में केरफार।
5. डाकमत पत्र के माध्यम से संव्यवहार संचालित करने के लिए अपनाई जाने वाली निम्नलिखित प्रक्रिया :—
- (क) कंपनी, इस बात पर कि क्रम संख्यांक के संव्यवहार(ों) पर डाकमत पत्रों के माध्यम से शेयर धारकों की अनुमति अपेक्षित है, सदस्यों की सहमति के लिए साधारण अधिवेशन की सूचना के नीचे टिप्पण कर सकेगी;
- (ख) निदेशक बोर्ड ऐसे व्यक्ति को संवीक्षक नियुक्त करेगा जो कंपनी के नियोजन में न हों, और सेवा निवृत्त न्यायाधीश या गणमान्य व्यक्ति हो और जो बोर्ड की राय में निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से डाकमत पत्र मतदान प्रक्रिया का संचालन कर सकता हो;
- (ग) संवीक्षक वार्षिक साधारण अधिवेशन की सूचना जारी होने की तारीख से 35 दिन (छुट्टियों को छोड़कर) के लिए अपने पद पर बना रहेगा। उसे उक्त अवधि की समाप्ति पर या उसके पूर्व अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है;
- (घ) संवीक्षक नियुक्ति के लिए इच्छुक होना चाहिए और वह अपेक्षित बहुमत अभिनिश्चित करने के प्रयोजन से कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पर उपलब्ध होना चाहिए;
- (ङ) संवीक्षक प्राप्त होने वाली सहमतियों या उनसे अन्यथा का जिसके अन्तर्गत इलैक्ट्रानिक मीडिया भी है, अभिलेख रखने के लिए रजिस्टर रखेगा जिसमें नाम, पता, फोलियों संख्यांक, शेयरों की संख्या, शेयरों का अभिहित मूल्य, क्या शेयरों के साथ मतदान, डिफरेंशियल मतदान या गैर मतदान अधिकार है, की विशिष्टियों का उल्लेख होगा और संवीक्षक उन डाकमत पत्रों का अभिलेख भी रखेगा जो विरूपित और विकृत रूप में प्राप्त होते हैं। डाकमत पत्र और उनसे संबंधित अन्य कागजात तब तक संवीक्षक की सुरक्षित अभिरक्षा में रखे जाएंगे जब तक कि अध्यक्ष, अधिवेशन के कार्यवृत्त पर विचार नहीं कर लेता, उन्हें अनुमोदित नहीं करता और उन पर हस्ताक्षर नहीं कर देता है। उसके पश्चात् संवीक्षक मतपत्र और अन्य संबंधित कागजात/रजिस्टर कंपनी को लौटा देगा ताकि ऐसे मतपत्र और अन्य संबंधित कागजात, संकल्प को प्रभावी किए जाने तक सुरक्षित रखे जा सकें।
- (च) वार्षिक साधारण अधिवेशन की सूचना में उल्लिखित किसी मुद्दे से संबंधित सहमति या अन्यथा जारी होने की तारीख से 35 दिन के पश्चात् प्राप्त न होने को सर्वथा यह समझा जाएगा कि मानों सदस्य से उत्तर नहीं प्राप्त हुआ है।

[फा.सं. 1(15)2000-सी.एल.-5]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th May, 2001

G.S.R. 337(E).— In exercise of the powers conferred by section 192A read with clauses (a) and (b) of sub-section (1) of section 642 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement:—

- (1) These rules may be called the Companies (passing of the resolution by postal ballot) Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Definitions:-

In these Rules unless the context otherwise requires:-

- (a) "Act" means the Companies Act, 1956,
- (b) "Postal Ballot" includes voting by share holders by postal or electronic mode instead of voting personally by presenting for transacting businesses in a general meeting of the company,
- (c) "Requisite majority" with regard to Special Resolution means votes cast in favour of the business is three times more than the votes cast against, with regard to ordinary resolution, votes cast in favour is more than the votes cast against.

3. Application:-

These Rules shall be applicable to listed companies and in case of resolutions relating to such businesses as are specified under rule 4.

4. List of businesses in which the resolutions may be passed through Postal Ballot.

- (a) alteration in the Object Clause of Memorandum;
- (b) alteration of Articles of Associations in relation to deletion or insertion of provisions defining private company;
- (c) buy-back of own shares by the company under sub-section (1) of section 77A;
- (d) issue of shares with differential voting rights as to voting or dividend or other wise under sub-clause (ii) of clause (a) of section 86;
- (e) change in place of Registered Office out side local limits of any city, town or village as specified in sub-section (2) of section 146;
- (f) sale of whole or substantially the whole of undertaking of a company as specified under sub-clause (a) of sub-section (1) of section 293;
- (g) giving loans or extending guarantee or providing security in excess of the limit prescribed under sub-section (1) of section 372A;
- (h) election of a director under sub-section (1) of section 252;
- (i) power to compromise or make arrangements with creditors and members as specified under sub-section (2) of section 391;
- (j) variation in the rights attached to a class of shares or debentures or other securities as specified under section 106.

5. Procedure to be followed for conducting business through Postal Ballot:-

- (a) The company may make a note below the notice of General Meeting for understanding of members that the transaction(s) at Sl. No. requires consent of shareholders through postal ballot;
- (b) The board of directors shall appoint one scrutinizer, who is not in employment of the company, may be a retired judge or any person of repute who, in the opinion of the board can conduct the postal ballot voting process in a fair and transparent manner;
- (c) The scrutinizer will be in position for 35 days (excluding holidays) from the date of issue of Notice for Annual General Meeting. He is to submit his final report on or before the said period;
- (d) The scrutinizer will be willing to be appointed and he is available at the Registered Office of the company for the purpose of ascertaining the requisite majority;

- (e) The scrutinizer shall maintain a register to record the consent or otherwise received, including electronic media, mentioning the particulars of name, address, folio number, number of shares, nominal value of shares, whether the shares have voting, differential voting or non-voting rights and the Scrutinizer shall also maintain record for postal ballot which are received in defaced or mutilated form. The Postal Ballot and all other papers relating to postal ballot will be under the safe custody of the Scrutinizer till the Chairman considers, approves and sign the minutes of the meeting. Thereafter, the Scrutinizer shall return the ballot papers and other related papers/register to the company so as to preserve such ballot papers and other related papers/register safely till the resolution is given effect to;
- (f) Consent or otherwise relating to issue mentioned in Notice for Annual General Meeting received after 35 days from the date of issue will be strictly treated as if the reply from the member has not been received.

[F.No. 1(15)/2000-CL. V]

A RAMASWAMY, Jt. Secy.